

Participants : [Singh Shri Ganesh](#)

an>

Title: Regarding permanent solution for water crisis in the country.

श्री गणेश सिंह (सतना) : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। देश के कई हिस्सों में बड़ी तेज गति से जल स्तर नीचे जा रहा है जिसके कारण पेयजल की गंभीर समस्या उत्पन्न होती जा रही है। मध्य प्रदेश जैसे कई राज्य ऐसे हैं जहां इस वा भयंकर सूखे की स्थिति है। इस कारण मध्य प्रदेश के कई जिलों में पेयजल का संकट गहराता जा रहा है। सूखाग्रस्त जिलों में बड़ी तेज गति से नदी, तालाब, कुएं, ट्यूबवैल सूख रहे हैं। मेरे लोकसभा क्षेत्र के सैंकड़ों गांवों के लोग काफी लम्बी दूरी से पीने का पानी लाने पर मजबूर हो रहे हैं। मैंने पूर्व में केन्द्र सरकार से मांग की थी कि मध्य प्रदेश के जिन 22 जिलों में सूखा है, वहां केन्द्रीय अध्ययन दल भेजा जाना चाहिए। लेकिन दुर्भाग्य है कि आज तक कोई भी अध्ययन दल वहां नहीं गया और न ही केन्द्र सरकार ने इस पर गंभीरता दिखाई। केन्द्र सरकार के सहयोग से सतना जिले के मझमा प्लांट में 18 जल संकट वाले गांवों को पीने का पानी देने के लिए एक नल जल योजना का निर्माण हुआ था। लेकिन विगत कई वर्षों से वह योजना बंद पड़ी है, जिससे वे सभी गांव गंभीर पेयजल संकट से घिरे हुए हैं। उस प्लांट की मरम्मत के लिए धनराशि की आवश्यकता है।

ऐसी स्थिति में मेरी केन्द्र सरकार से मांग है कि पेयजल समस्या को ध्यान में रखते हुए सतना जिले सहित मध्य प्रदेश के अन्य समस्याग्रस्त जिलों में तत्काल आर्थिक सहायता पहुंचायी जाये और पेयजल के गिरते संकट के स्थायी समाधान के लिए कोई ठोस योजना बनायी जाये। धन्यवाद।

उपाध्यक्ष महोदय: मैं चाहूंगा कि सभी माननीय सदस्य एक-एक मिनट में अपनी बात समाप्त करें।